फरीदाबाद
मजदूर समाचार
अनुभवों तथा विचारों के आदान-प्रदान के जरियों में एक जरिया

'मजदूर समाचार' की कुछ सामग्री अंग्रेजी में इन्टरनेट पर है। देखें–
< http://faridabad majdoorsamachar.blogspot.in >

डाक पता : मजदूर लाईब्रेरी, आटोपिन झुग्गी, एन.आई.टी. फरीदाबाद - 121001

नई सीरीज नम्बर 340 | 1/– | अक्टूबर 2016

एक मनचित्र और एक मानचित्र स्वयं की पहलकदमियों के फैलाव का

18-20 वर्ष की युवती → युवक

कार्यस्थल
– अप्रेन्टिस
– टेम्परेरी

अनेक रिश्ते बनते, बनाते

विभाग में, शिफ्ट में, फैक्ट्री में, आने-जाने में, चाय की दुकान पर, बस्ती में, फोन ग्रुपों में।

यह रिश्ते गति लिये होते हैं गति पकड़ते हैं।

यह 2 साल में कभी 1 साल में कभी 6 महीने में कभी 1 महीने में।

बातचीतें। सवाल-जवाब। प्रोडक्शन टारगेट पर सवाल। अनुशासन का विरोध। कैन्टीन में भोजन की क्वालिटी। इत्यादि-इत्यादि। यह सब कार्यस्थल पर रिसाव बढाते हैं और तरेड़ें चौड़ी करते हैं।

इस माहौल में मैनेजमेन्ट का कार्यस्थल पर कब्जा ढीला पड़ता जाता है।

जब-तब काम बन्द कर देना। ओवर टाइम से इनकार करना। रिजेक्शन बढ जाना। और, मैनेजमेन्ट के सामने चुप्पी साध लेना।

(फैक्ट्री में बैठ जाना और नहीं निकलना।)

(फैक्ट्री बिल्डिंग पर, मैनेजरों पर हमला।)

(कम्पनी द्वारा रियायतें देना।)

(पुलिस और बाउन्सरों का मजदूरों पर हमला। गिरफ्तारियाँ।)

(बहुतों को नौकरी से निकालना।)

(कई फैक्ट्रियों में और शहर के स्तर पर फैल जाना। चार हजार को एक लाख बनाया बेंगलुरू की महिला गारमेन्ट वरकरों ने। राहत मिली चार करोड़ मजदूरों को।)

(मजदूरों को असहाय घोषित कर सिकोड़ने वाली प्रक्रिया में ले जाना। धरना, ज्ञापन, आश्वासन, तारीख। थकावट। चार हजार को चालीस बनाना।)

दौ
समय है

कापसहेड़ा में कई मकानमालिकों ने गैस और राशन की दुकान के ठेके दे रखे हैं। किरायेदारों से ठेकेदार डेढे-दुगुने पैसे लेते हैं। बिजली 4 रुपये युनिट है पर किरायेदार से मकान मालिक 10 रुपये युनिट के हिसाब से पैसे लेते हैं। साझे स्थान पर हर कमरे की पानी की टोटी लगाई है, प्रत्येक टोटी पर मीटर और ताला, नहाने-धोने के 1000 लीटर पानी के मकानमालिक 100-150 रुपये लेते हैं।

अमुल डेरी (26-डी सैक्टर-3, आई एम टी मानेसर) स्थित फैक्ट्री में 100 महिला मजदूरों की तनखा 6500 रुपये, ई एस आई नहीं, पी एफ नहीं। डेढ सौ पुरुष मजदूरों की तनखा 6500 रुपये, 12-12 घण्टे की दो शिफ्ट, ओवर टाइम के पैसे सिंगल रेट से, ई एस आई नहीं, पी एफ नहीं, साप्ताहिक अवकाश नहीं।

ओरियों कॉनमर्क्स (90 उद्योग विहार फेज-1, गुड़गाँव) स्थित लैदर फैक्ट्री में जबरन रोकते हैं और ओवर टाइम के मात्र 20 रुपये प्रतिघण्टा।

साइबाना एक्सपोर्ट (डी-9/2 ओखला फेज-2, दिल्ली) स्थित फैक्ट्री में टेलरों को दिल्ली सरकार द्वारा निर्धारित न्यूनतम वेतन पर हैल्परों को नहीं, उनकी तनखा 7800-7900 रुपये। नब्बे प्रतिशत मजदूरों की ई एस आई नहीं, पी एफ नहीं।

शशि सर्विस (5 सैक्टर-6, फरीदाबाद) स्थित फैक्ट्री में ओरियन्ट पँखों का हिस्सा बनाते मजदूरों में महिला हैल्परों की तनखा 4500 रुपये और पुरुष हैल्परों की 5000-6200 रुपये, ई एस आई नहीं, पी एफ नहीं।

लुव ऑयल फिल्टर सिस्टम (269 सैक्टर-6, आई एम टी मानेसर) स्थित फैक्ट्री में 200 हैल्परों को 8 घण्टे रोज पर 30 दिन के 6500 रुपये, ई एस आई नहीं, पी एफ नही। दो शिफ्ट 12-12 घण्टे की, ओवर टाइम के पैसे सिंगल रेट से।

शिवांग एक्सपोर्ट (671-72 उद्योग विहार फेज-5, गुड़गाँव) स्थित बड़ी फैक्ट्री में 99 प्रतिशत मजदूर दो ठेकेदार कम्पनियों के जरिये रखे हैं। महीने में 100-150 घण्टे ओवर टाइम, भुगतान सिंगल रेट से। तनखा से ई एस आई तथा पी एफ की राशि काटते हैं पर नौकरी छोड़ने पर फण्ड के पैसे मजदूर को नहीं मिलते।

पाल लैदर (ए-265, ए-266, बी-29 ओखला फेज-1, दिल्ली) स्थित फैक्ट्रियों में कार्यरत 900 वरकरों में 50 परमानेन्ट मजदूरों को ही दिल्ली सरकार द्वारा निर्धारित न्यूनतम वेतन। पैकिंग हैल्परों की तनखा 6500 रुपये और चैकर, टेलर, पेस्टर की तनखा 8500 रुपये। इन 850 मजदूरों में दो-चार की ही ई एस आई तथा पी एफ हैं।

मेघा मेटल (854 सैक्टर-8 आई एम टी मानेसर) स्थित फैक्ट्री में दो परमानेन्ट मजदूर और चार ठेकेदार कम्पनियों के जरिये रखे 500 वरकर 12-12 घण्टे की दो शिफ्टों में। ओवर टाइम का भुगतान सिंगल रेट से।

सिएरस्ता हॉस्पिटैलिटी (338 उद्योग विहार फेज-2, गुड़गाँव) स्थित रसोईघर में 60 मजदूर कई कम्पनियों के लिये भोजन तैयार करते हैं। वरकर की पे-स्लिप में 10,183 रुपये दिखाते हैं पर मजदूर को काट-पीट कर 7000 रुपये देते हैं। कन्वेयन्स के ही पे-स्लिप में 1788 रुपये दिखाते हैं जबकि कोई कन्वेयन्स नहीं है, वरकर स्वयं आते हैं।

थीम एक्सपोर्ट (डी-5 ओखला फेज-1, दिल्ली) स्थित फैक्ट्री में कार्यरत 600 मजदूरों में से 24 सैम्पलिंग टेलरों को ही दिल्ली सरकार द्वारा निर्धारित न्यूनतम वेतन। प्रोडक्शन टेलरों की तनखा 9000-9500 रुपये, ई एस आई नहीं, पी एफ नहीं।

कार्मिक इंजीनियरिंग (177 सैक्टर-4, आई एम टी मानेसर) स्थित फैक्ट्री में जनवरी से देय डी ए के पैसे सितम्बर-अन्त तक नहीं दिये थे। दो शिफ्ट 12-12 घण्टे की, ओवर टाइम के पैसे सिंगल रेट से भी कम, 30 रुपये प्रति घण्टा। ***कैलाश रिबन*** (403 उद्योग विहार फेज-3, गुड़गाँव) स्थित फैक्ट्री मैनेजमेन्ट ने 10 बराबर 8 घोषित कर मजदूरों को रोज 10 घण्टे ड्युटी पर 8 घण्टे के लिये निर्धारित न्यूनतम वेतन देती है।

डी पी आई फैशन (बी-23/1 ओखला फेज-2, दिल्ली) स्थित फैक्ट्री में महीने में 100 घण्टे ओवर टाइम, भुगतान सिंगल रेट से।

क्रू बी ओ एस (37 सैक्टर-4, आई एम टी मानेसर) स्थित लैदर फैक्ट्री में सुबह 9 से रात 12 बजे तक काम। ओवर टाइम सिंगल रेट से, कारीगर को 45 रुपये प्रतिघण्टा। कम्पनी ने 2012 और 2013 की पी एफ राशि जमा नहीं की है।

हेराफेरी दर हेराफेरी

कम्पारी एक्सपोर्ट (517 उद्योग विहार फेज-3, गुड़गाँव) स्थित फैक्ट्री में स्टाफ को अगस्त वेतन के चैक 22 सितम्बर को आधी तनखा के देने लगे। पूछने पर जनरल मैनेजर बोला कि तुम्हें उपहार देंगे उसके पैसे कहाँ से आयेंगे ? ! स्टाफ के कई लोगों ने चैक लौटा दिये।

वी-एक्सेस (12 सैक्टर-5, आई एम टी मानेसर) स्थित फैक्ट्री में सुबह 8 से साँय 6 तथा रात 8 से अगली सुबह 6 की दो शिफ्ट हैं। दिन और रात में एक-एक घण्टा कम्पनी लन्च का काटती है और जिसे ओवर टाइम कहती है उसका भी भुगतान सिंगल रेट से।

जे जे एक्सपोर्ट (सी-54/2 ओखला फेज-2, दिल्ली) स्थित फैक्ट्री में ई एस आई और पी एफ की राशि किसी महीने 850 रुपये, किसी महीने 900 तो किसी महीने 1000 रुपये काटते हैं। पी एफ नम्बर नहीं बताते।

इन्टरफेस माइक्रो सिस्टम्स (340-41-42 उद्योग विहार फेज-2, गुड़गाँव) स्थित फैक्ट्री में बोनस 50 परमानेन्ट वरकरों को ही देते हैं। चार ठेकेदार कम्पनियों के जरिये रखे 1200 मजदूरों को दिवाली पर 1000-2000 रुपये के कूपन देते हैं किसी मॉल से खरीददारी के लिये !

एस के बेरी एण्ड ब्रदर्स (ए-119 ओखला फेज-2 दिल्ली) स्थित फैक्ट्री में तनखा से पी एफ के पैसे काटते हैं। ठेकेदार कम्पनी फण्ड नम्बर नहीं बताती और छोड़ने पर फण्ड निकालने का फार्म नहीं भरते।

रादनिक एक्सपोर्ट (186 उद्योग विहार फेज-1, गुड़गाँव) स्थित फैक्ट्री में तनखा से पी एफ राशि के तौर पर 1000 रुपये काटते हैं और पी एफ कार्यालय से सन्देश आता है 727 रुपये का। एच आर विभाग से पूछने पर कहते हैं कि बाकी पैसों का मैसेज 10 दिन में आयेगा पर दो महीने तक नहीं आता। ***टालब्रोस मारुगो रबड़*** (108 सैक्टर-8, आई एम टी मानेसर) स्थित फैक्ट्री में सिर्फ स्टाफ के लोग परमानेन्ट। तीन ठेकेदार कम्पनियों के जरिये रखे मजदूरों की 12-12 घण्टे की दो शिफ्ट, ओवर टाइम के पैसे सिंगल रेट से और गड़बड़ कर हर महीने 50-100 रुपये खा जाते हैं।

तारीख–तारीख–तारीख

फैशन इन्टरनेशनल (सी-68/1 ओखला फेज-2, दिल्ली) स्थित फैक्ट्री से एक मजदूर को 2005 में निकाला। श्रम न्यायालय ने 2009 में बाहर किये दिनों की 30 प्रतिशत तनखा और ड्युटी पर लेने का आदेश दिया। कम्पनी ने न पैसे दिये , न ड्युटी पर लिया और दिल्ली हाई कोर्ट गई। हाई कोर्ट ने अप्रैल 2013 में ड्युटी पर लेने और 4 सप्ताह में बाहर किये दिनों की पूरी तनखा देने के आदेश दिये। कम्पनी ने ड्युटी पर ले लिया पर पैसे नहीं दिये। पुष्पा भवन स्थित दक्षिणी दिल्ली का श्रम विभाग दो वर्ष से घुमा रहा है। कम्पनी ने राशि पर विवाद किया, 2 लाख 58 हजार की जगह एक लाख 90 हजार रुपये बोली और दिया एक पैसा नहीं। अब अगस्त में उस मजदूर ने दिल्ली हाई कोर्ट में न्यायालय की अवमानना का केस दायर किया है।

नपीनो ऑटो (7 सैक्टर-3, आई एम टी मानेसर) स्थित फैक्ट्री में यूनियन बनाने में सक्रिय भूमिका वाले ठेकेदार कम्पनी के जरिये रखे मजदूरों ने मैनेजमेन्ट-यूनियन गठजोड़ से अपनी रक्षा के लिये श्रम विभाग में वर्ष-भर पहले आवेदन दिया। तारीखें शुरू हुई। इधर मैनेजमेन्ट ने जून में उन सब मजदूरों को फैक्ट्री से निकाल दिया और श्रम विभाग में तारीखें पड़ना जारी है — 9 सितम्बर की तारीख के बाद 13 अक्टूबर की तारीख।

बढती असुरक्षा और सुरक्षाकर्मी

✶ ***जी 4 एस (ग्रुप फोर) सेक्युरिटी*** कम्पनी के 110 देशों में 6 लाख 23 हजार कर्मी हैं। भारत सरकार के तहत क्षेत्र में ग्रुप फोर के एक लाख 31हजार कर्मी हैं। अन्य सेक्युरिटी कम्पनियों की ही तरह ग्रुप फोर में भी यहाँ गार्डों की 12-12 घण्टे ड्युटी सामान्य है। ओवर टाइम कागजों में दिखाया नहीं जाता, दुगुनी दर की बजाय सिंगल रेट से दिया जाता है। इधर हरियाणा में ग्रुप फोर गार्डों में से आधे गार्डों को जनवरी से देय डी ए के पैसे नहीं दिये गये हैं — ग्रुप फोर मैनेजमेन्ट कहती है कि क्लायन्ट देंगे तब देंगे। मैनेजमेन्ट झूठ बोलती लगती है क्योंकि क्लायन्ट से एग्रीमेन्ट में महँगाई भत्ता अथवा नया ग्रेड आने पर वह पैसे देना दर्ज होता है। जिन गार्डों को महँगाई भत्ता दिया है उनके भी 6 महीने के ओवर टाइम के पैसे डी ए जोड़ कर नहीं बनाये और इस प्रकार प्रत्येक गार्ड के 1500-2000 रुपये कम्पनी खा गई। यह कैंची ग्रुप फोर मैनेजमेन्ट 2010 से चला रही है। और, हरियाणा क्षेत्र में ग्रुप फोर गार्डों की तनखा बराबर रहती थी पर इधर 6 महीने से फर्क किया जा रहा है : कहीं ड्युटी कर रहे गार्ड की तनखा 8500 तो कहीं 7976 रुपये।

✶ दिल्ली के ओखला औद्योगिक क्षेत्र में ड्युटी वाले ***एबसोल्युट सेक्युरिटी*** कम्पनी के गार्डों की 12-12 घण्टे की दो शिफ्ट। साप्ताहिक अवकाश नहीं। वर्ष के 365 दिन में एक भी दिन की छुट्टी नहीं। ई एस आई तथा पी एफ की राशि काट कर, प्रतिदिन 12 घण्टे ड्युटी पर 30-31 दिन के 8200 रुपये।

और फैक्ट्री में सुपरवाइजर : " सुपरवाइजरों को बहुत टैन्शन रहती है। बहुत बुरा हाल है। रात की 12 घण्टे की शिफ्ट के बाद छूट कर अब आया हूँ जबकि वरकर तो जा कर सो भी गये होंगे।"

बिना ठेकेदार के

ओरचिड ओवरसीज (782 उद्योग विहार फेज-5, गुड़गाँव) स्थित फैक्ट्री में ठेकेदार नहीं हैं। ओवर टाइम के 20-30 घण्टे हर महीने खा जाते हैं।

टेनगेरिन डिजाइन (140 सैक्टर-4, आई एम टी मानेसर) स्थित फैक्ट्री में ठेकेदार नहीं हैं, सब वरकर कम्पनी ने स्वयं रखे हैं। महीने में 100 घण्टे ओवर टाइम जिसका भुगतान सिंगल रेट से भी कम — 34 रुपये प्रतिघण्टा।

अनिश्चतता है फिर डर काहे का

रजनीगन्धा-डी एस ग्रुप (बी-78 ओखला फेज-1, दिल्ली) स्थित फैक्ट्री में दिल्ली सरकार द्वारा निर्धारित न्यूनतम वेतन देते हैं पर महीने में मुश्किल से 15 दिहाड़ी बनती हैं।

एस एण्ड आर (298 उद्योग विहार फेज-2, गुडगाँव) स्थित फैक्ट्री में 2 महीने पहले 400 मजदूर थे, अब 80 हैं। कम्पनी ने बावल में दूसरी फैक्ट्री खोली है। काम कम है कह कर वरकर निकाले हैं।

मित्सुबिशी वरकर : " ठेकेदार कम्पनी के जरिये रखों का भी एक साल में ब्रेक कर देते हैं। अब फिर काम ढूँढ रहा हूँ।"

मानवीयता कम्पनियों की

डेल्फी ऑटोमेटिव (240 उद्योग विहार फेज-1, गुड़गाँव) स्थित फैक्ट्री से पिता की मृत्यु पर वरकर 10 दिन की छुट्टी ले कर गया। आठ दिन बाद, 5 सितम्बर को लौट आया और फैक्ट्री गया। दो घण्टे ड्युटी कर चुके मजदूर को मैनेजर ने फैक्ट्री से बाहर कर दिया। कम्पनी इस-उस बहाने वरकरों को निकालती रहती है।

इण्डो ऑटोटेक (4 सैक्टर-8, आई एम टी मानेसर) स्थित फैक्ट्री में एक्सीडेन्ट होते रहते हैं पर मैनेजमेन्ट एक्सीडेन्ट रिपोर्ट नहीं भरती। ठेकेदार कम्पनी उपचार के लिये हजार-दो हजार दे देती हैं। इलाज के दौरान की 15-20 दिन छुट्टी के पैसों के लिये ई एस आई में एक्सीडेन्ट रिपोर्ट माँगते हैं और कम्पनी एक्सीडेन्ट रिपोर्ट देती नहीं।

पुनियानी इन्टरनेशनल (बी-114 ओखला फेज-1, दिल्ली) स्थित फैक्ट्री में पीने के पानी का प्रबन्ध नहीं है, वरकर खरीद कर पानी पीते हैं। पचास मजदूर परमानेन्ट हैं और 550 को एक ठेकेदार कम्पनी के जरिये रखा है। ई एस आई तथा पी एफ 100 से कम मजदूरों के हैं। यहाँ चमड़े के जैकेट, बैग, बैल्ट निर्यात के लिये बनते हैं।

स्किल डेवलेपमेन्ट

सिग्मा मोल्डिंग (16 सैक्टर-3, आई एम टी मानेसर) स्थित फैक्ट्री में 40 आई टी आई तथा डिप्लोमा वाले वरकर 12-12 घण्टे की दो शिफ्टों में काम करते हैं। ओवर टाइम के पैसे सिंगल रेट से भी कम, तनखा 26 से भाग करने की बजाय 30 से भाग कर घण्टे का रेट तय करते हैं। यह सब स्किल्ड वरकर ठेकेदार कम्पनियों के जरिये रखे गये हैं। इनकी तनखा 7976 और 9000 रुपये है।

टुव राइनलेण्ड (328-329 उद्योग विहार फेज-4, गुड़गाँव) स्थित फैक्ट्री में टैक्निशियनों को 12 घण्टे रोज पर 26 दिन के 9500 रुपये। यह कम्पनी सर्विस प्रदान करती है और यहाँ इस फैक्ट्री में गारमेन्ट्स के सैम्पल तैयार किये जाते हैं।

साझेदारी

✶ मजदूर समाचार की 15-16-17 हजार प्रतियाँ छापते हैं। आई एम टी मानेसर, उद्योग विहार गुड़गाँव, ओखला औद्योगिक क्षेत्र, फरीदाबाद में मजदूर समाचार का वितरण हर महीने होता है। दिल्ली के इर्द-गिर्द के औद्योगिक क्षेत्रों में मजदूर समाचार की बीस हजार प्रतियाँ प्रतिमाह आवश्यक लगती हैं। बाँटने में अधिक लोगों की साझेदारी के बिना यह नहीं हो सकेगा। सहकर्मियों-पड़ोसियों-मित्रों-साथियों को देने के लिये 10-20-50 प्रतियाँ हर महीने लीजिये और मजदूर समाचार के वितरण में साझेदार बनिये।

✶ मजदूर समाचार के वितरण के दौरान फुरसत से बातचीत मुश्किल रहती है। इसलिये मिलने-बातचीत के लिये पहले ही सूचना देने का सिलसिला आरम्भ किया है। चाहें तो अपनी बातें लिख कर ला सकते हैं, चाहें तो समय निकाल कर बात कर सकते हैं, चाहें तो दोनों कर सकते हैं।

— शनिवार, 29 अक्टूबर को सुबह 6 बजे से 9 तक आई एम टी मानेसर में सैक्टर-3 में बिजली सब-स्टेशन के पास मिलेंगे। खोह गाँव की तरफ से आई एम टी में प्रवेश करते ही यह स्थान है। जे एन एस फैक्ट्री पर कट वाला रोड़ वहाँ गया है।

— उद्योग विहार, गुड़गाँव में फेज -1 में पीर बाबा रोड़ पर वोडाफोन बिल्डिंग के पास शुक्रवार, 28 अक्टूबर को सुबह 7 से 10 बजे तक बातचीत के लिये रहेंगे। यह जगह पेड़ के नीचे चाय की दुकान के सामने है।

— बुधवार, 2 नवम्बर को सुबह 7 से 10 बजे तक चर्चा के लिये ओखला-सरिता विहार रेलवे क्रॉसिंग (साइडिंग) पर उपलब्ध रहेंगे।

✶ फरीदाबाद में अक्टूबर में हर रविवार को मिलेंगे। सुबह 10 से देर साँय तक अपनी सुविधा अनुसार आप आ सकते हैं। फरीदाबाद में बाटा चौक से थर्मल पावर हाउस होते हुए रास्ता है। ऑटोपिन झुग्गियाँ पाँच-सात मिनट की पैदल दूरी पर हैं।

फोन नम्बर : 0129-6567014

व्हाट्सएप के लिये नम्बर : 9643246782

ई-मेल < majdoorsamachartalmel@gmail.com >

बोनस : बात लेने की है

(नियम-कानून की जानकारी भारत सरकार के श्रम विभाग की इन्टरनेट पर हिन्दी तथा अंग्रेजी में साइट से ली है।)

1965 के बोनस कानून में 1975 में संशोधन। कम्पनी घाटे में है तो भी एक महीने की तनखा (8.33 प्रतिशत) बोनस वर्ष में। मुनाफे वाली कम्पनियों में वर्ष में बोनस की अधिकतम राशि बीस प्रतिशत (करीब ढाई महीने की तनखा)। हिसाब लगाने के लिये 1965 से 750 रुपये, 1985 से 1600, फिर 1995 से 2500 और 2007 से 3500 रुपये सीमा। बोनस 2007 से 2014 के दौरान कम से कम 3500 रुपये और अधिकतम 8300 रुपये। सरकार द्वारा इधर किये बदलावों के अनुसार अब बोनस की न्यूनतम राशि 7000 रुपये अथवा राज्य सरकार द्वारा निर्धारित न्यूनतम वेतन में से जो अधिक हो वह। तनखा मानी बेसिक जमा डी ए और यह राशि 21,000 रुपये तक है तो बोनस बनता है। अप्रैल 2015 से इस वर्ष 31 मार्च तक जिसने फैक्ट्री में 30 दिन भी काम किया है उसका बोनस बनता है।

दिल्ली सरकार ने नया ग्रेड अभी लागू नहीं किया है। ऐसे में 1 अक्टूबर 2016 से महँगाई भत्ता जोड़ कर बने अकुशल श्रमिक के न्यूनतम वेतन 9724 रुपये पर कम से कम बोनस 9724 रुपये और अधिकतम बोनस 23, 338 रुपये बनता है। इसी प्रकार कुशल श्रमिक के लिये कम से कम बोनस 11830 रुपये और अधिकतम बोनस 28,392 रुपये इस दिवाली पर बनता है।

अगर मजदूर अथवा स्टाफ के बन्दे की बेसिक तथा डी ए मिला कर 21,000 रुपये तक है तो उसका कम से कम बोनस 21 हजार रुपये और अधिकतम बोनस 50 हजार चार सौ रुपये इस दिवाली पर बनता है।

यह तो हुई सरकार के नियम-कानून की बातें।

लेकिन जहाँ मैनेजमेन्ट द्वारा बोनस देने की बात रहती है वहाँ मजदूरों को बोनस दिया ही नहीं जाता अथवा बोनस में बहुत कम राशि दी जाती है।

और, जहाँ मजदूरों द्वारा बोनस लेने की बात रहती है वहाँ :

1980 के दशक में मजदूरों द्वारा तीस, चालीस, 46 प्रतिशत बोनस लेन के उदाहरण हैं जबकि कानून बीस प्रतिशत की सीमा लगाता है। ऐसे में कम्पनियाँ अपने कागजों में 20 प्रतिशत को बोनस के तौर पर दर्ज करती और उस से ज्यादा राशि को एक्स-ग्रेशिया दर्शाती।

और नजदीक आते हैं। बात 2014 में दिवाली पर बोनस की है। सन् 2007 से सरकार ने 8300 रुपये को बोनस की अधिकतम राशि निर्धारित कर रखा था। लेकिन सी-121 ओखला फेज-1, दिल्ली स्थित ***रेखा प्रिन्टर्स*** के मजदूर हर वर्ष 17-18 हजार रुपये बोनस लेते थे। मनेजमेन्ट ने अचानक दिवाली 2014 पर बोनस के तौर पर 3495 रुपये प्रत्येक वरकर के बैंक खाते में भेज दिये। मजदूरों ने आपस में चर्चायें की। फिर वरकरों ने 4 दिन काम बन्द किया — रोज फैक्ट्री पहुँचते और 8 घण्टे फैक्ट्री के अन्दर बैठ कर बाहर निकलते। रेखा प्रिन्टर्स मैनेजमेन्ट ने 15-15 हजार रुपये अतिरिक्त हर मजदूर के बैंक खाते में भेजे। (मजदूर समाचार के अगस्त 2015 अंक से)

बात लेने की रही है, बात लेने की रहती है, बात लेने की है।

जाना मजदूरों का, मजदूरों के पास

✶ ***ग्रोवर सन्स एपरेल्स*** (135 सैक्टर-4, आई एम टी मानेसर) स्थित फैक्ट्री में शनिवार, 17 सितम्बर को टेलरों को अगस्त की तनखा दी। फिनिशिंग में रविवार को ओवर टाइम रहा। सोमवार, 19 सितम्बर को 4 बजे तक तनखा के आसार देखे, नहीं दी। इन्तजार किया 6 बजे तक और फिर कटिंग तथा फिनिशिंग के वरकर काम बन्द कर बैठ गये। और, साढे छह बजे 100 से ज्यादा स्त्री-पुरुष मजदूर फैक्ट्री गेट पर पहुँच गये। सुपरवाइजर आये और बोले कि चलो तनखा ले लो, ओवर टाइम करो। कोई वरकर नहीं लौटा।

✶ ***एमटेक ए सी आई एल*** (53-54 सैक्टर-3, आई एम टी मानेसर) स्थित फैक्ट्री में मैनेजमेन्ट दो-तीन महीने से होण्डा या न्यू हॉलैण्ड से चैक नहीं आया कह कर तनखा में देरी कर रही है। इस बार 10 सितम्बर को दो ठेकेदार कम्पनियों के जरिये रखे सब वरकर टी-ब्रेक में 10 बजे एच आर विभाग गये, 2 घण्टे काम बन्द रखा, लन्च बाद ही कार्य आरम्भ किया। मैनेजमेन्ट किसी मजदूर को टारगेट नहीं बना पाई, निकाल नहीं पाई क्योंकि कोई आगे नहीं हुआ था।

✶ ***लाइफलोंग मेडिटेक*** (18 सैक्टर-5, आई एम टी मानेसर) स्थित फैक्ट्री में वरकरों की 12-12 घण्टे की दो शिफ्टें और स्टाफ की 8-8 घण्टे की तीन शिफ्ट। ओवर टाइम के पैसे सिंगल रेट से। छोड़ने पर फण्ड निकालने का फार्म भरने के लिये 6 महीने वालों से ठेकेदार कम्पनियाँ 500 रुपये लेती हैं और साल वालों से 1000 रुपये। दो-तीन महीने बाद छोड़ने पर तो फण्ड फार्म भरते ही नहीं। और, एक ठेकेदार कम्पनी जिसके जरिये 200 वरकर रखे हैं वह न तो फण्ड निकालने का फार्म भरती, न फण्ड नम्बर बताती। छोड़ने पर ठेकेदार कम्पनियाँ 6-7 दिन किये काम के पैसे नहीं देती। वरकरों ने मिल कर जनरल मैनेजर से कहा तो साहब बस यही बोला कि ऐसा होना तो नहीं चाहिये।

✶ ***मिलेनियम टैक्नोलॉजीज*** (10 सैक्टर-7, आई एम टी मानेसर) स्थित फैक्ट्री में 12-12 घण्टे की दो शिफ्ट हैं। रोज 12 घण्टे पर 26 दिन के हैल्परों को 10,500 रुपये और ऑपरेटरों को 12,000 रुपये। दो बार चाय बाहर से आती है और चायवाले को कम्पनी एक चाय के ढाई रुपये देती है! वरकरों के दबाव के कारण कम्पनी ने अगस्त से सी एन सी ऑपरेटरों के 1200 रुपये बढाये हैं और बाकी के सितम्बर से बढाने की कही है।

✶ ***जे एन एस इन्सट्रुमेन्ट्स*** (4 सैक्टर-3, आई एम टी मानेसर) स्थित फैक्ट्री में लाइन लीडर, सुपरवाइजर, एच आर वाले, प्रोडक्शन मैनेजर एक-दूसरे की बात मानते हैं। मजदूरों की सुनते ही नहीं, गौर करना तो दूर की बात। सही बात है कि मजदूरों की बातें दूसरे मजदूर ही सुनेंगे।

दिल्ली सरकार का नया ग्रेड अक्टूबर आरम्भ तक भी नहीं लागू। महँगाई भत्ता जुड़ने के बाद 1 अक्टूबर 2016 से न्यूनतम वेतन यह हैं :

अकुशल श्रमिक 9724 रुपये मासिक (8 घण्टे के 374 रुपये)

अर्ध-कुशल श्रमिक 10764 रुपये मासिक (8 घण्टे के 414 रुपये)

कुशल श्रमिक 11,830 रुपये मासिक (8 घण्टे के 455 रुपये)

✶ ***हरियाणा सरकार ने 1 जुलाई 2016 से देय मँहगाई भत्ता (डी ए) अक्टूबर-आरम्भ तक घोषित नहीं किया है।***

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं सम्पादक शेर सिंह के लिए रौनिजा प्रिन्टर्स फरीदाबाद से मुद्रित किया।
RN 42233 पोस्टल रजिस्ट्रेशन L/HR/FBD/73/15-17
सौरभ लेजर टाइपसैटर्स, बी—551 नेहरु ग्राउंड, फरीदाबाद द्वारा टाइपसैट।